भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)
निगम कार्यालय : गच्ची बाउली, हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-नि.वा./एम आर/ 04 दिनांक : 19 सितंबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

बी डी एल में हिन्दी पक्षोत्सव एवं हिन्दी दिवस कार्यक्रम संपन्न

रक्षा मंत्रालय के अधीन उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड में दि. 17 सितंबर, 2021 को हिंदी पक्षोत्सव का समापन और हिन्दी दिवस कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उद्यम के सी एम डी कोमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और निदेशक (उत्पादन) और निदेशक (वित्त) सहित कंचनबाग इकाई, भानूर इकाई, विशाखापट्टणम इकाई और नयी दिल्ली स्थित संपर्क कार्यालय के महाप्रबंधक, अपर महाप्रबंधक, उपमहाप्रबंधक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य तथा सभी वर्ग के पुरस्कार विजेता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आरंभ में एन सत्यनारायण, प्रधान - मानव संसाधन विभाग ने सभी का स्वागत किया जिसके बाद गृह मंत्री का हिंदी दिवस संदेश वीडियो के माध्यम से प्रसारित किया गया और रक्षा मंत्री के संदेश का वाचन किया गया।

इसके बाद निदेशक (उत्पादन) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि किसी भी उत्पादन इकाई में प्रभावी संप्रेषण का विशेष महत्व होता है। बी डी एल जैसे संगठन में इसका महत्व और भी अधिक हो जाता है क्योंकि हम देशभर में स्थित आपूर्तिकर्ता व उत्पादन कार्य के भागीदारों के साथ लगातार बातचीत और दस्तावेजी काम करते हैं। हिन्दी चूँकि देश की संपर्क भाषा है और सभी भाषा-भाषीजन को आपस में जोड़ती

है अत: ऐसे कार्यों में हिन्दी के प्रयोग से आपसी सहयोग और व्यवसायी संबंध मजबूत बनते हैं और उत्पादन के काम में भी रुकावटें दूर होने में मदद मिलती है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने सभी से अपील की कि वे बोलचाल और लेखन में अधिकाधिक हिन्दी का प्रयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्ति में योगदान दें।

इनके बाद निदेशक (वित्त) श्रीनिवासुलु ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के कार्य के लिये राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्ति के लिये अध्यक्ष सहित राजभाषा विभाग को बधाई देते हुए कहा कि बीडीएल में राजभाषा कार्यान्वयन प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है और ज्यादातर उच्चाधिकारी स्वयं कंप्यूटर पर नियमित रूप से हिन्दी का प्रयोग कर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पाक्षिक तौर पर अलग-अलग विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को उनके कामकाज के मुताबिक कंप्यूटर पर हिन्दी में प्रयोग का अभ्यास कराकर राजभाषा प्रयोग को और विस्तार दिया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने राजभाषा अधिकारियों से अन्य भाषीवर्ग के अधिकारी और कर्मचारियों को अधिक प्रेरित और प्रोत्साहित कर हिन्दी भाषीवर्ग के समकक्ष तैयार करने का भी सुझाव देते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सी एम डी कोमोडोर सिद्धार्थ मिश्र ने मौलिक कामकाज की प्रोत्साहन योजना और हिंदी पक्षोत्सव के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के नक़द पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा हमारा आधार रहा है। स्वराज हासिल करने के बाद तकनीकी और उद्योग जगत में स्वदेशी पर निरंतर बल दिया गया । आज आत्मनिर्भर भारत इसी के आगे की कड़ी है। अत: उत्पाद बनाने में आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ अपनी भाषा में भी आत्म निर्भर होना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सोच-विचार सामान्यत: हम अपनी भाषा में ही करते हैं। जबकि इनकी अभिव्यक्ति अलग-अलग भाषा में हो सकती है। अत: अपनी मातृभाषा और कामकाज के लिये राजभाषा का ज्ञान सभी के लिये आवश्यक है। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा जारी 'राजभाषा प्रतिज्ञा' में उल्लिखित अनुच्छेद 343 और 351 का संदर्भ देते हुए कहा किबी डी एल के विभिन्न भाषा-भाषी अधिकारी और कर्मचारी संगठन का प्रशासनिक और तकनीकी काम हिन्दी में कर इसके विकास में निरंतर योगदान देते आ रहे हैं। साथ ही, उद्यम और अंतर उपक्रम स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेकर साल दर साल पुरस्कार प्राप्त करते आ रहे हैं।

उन्होंने वर्ष 2019-20 की अवधि के लिये नराकास (उपक्रम) के कार्य के लिये प्राप्त राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के लिये सभी सदस्य कार्यालय और अधिकारी व कर्मचारियों को उनके योगदान के लिये बधाई देते हुए सभी से इस प्रदर्शन को बनाये रखने के लिये कहा।

कार्यक्रम का समापन डॉ. नरसिंहम शिवकोटि के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक (मा.सं.-राजभाषा) होमनिधि शर्मा ने किया और कार्यक्रम के आयोजन में सभी राजभाषाकर्मियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।